कैम्पस कनेक्ट

राम लाल आनंद महाविद्यालय का मासिक ई-न्यूज़लेटर

हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग का प्रकाशन | नई दिल्ली, सितम्बर 2023 | वर्ष 1, अंक 1, पृष्ठ 4

जब एकता होगी, तभी सुरक्षा होगी

रामलाल आनंद महाविद्यालय में 'मेरी माटी मेरा देश' समारोह में बड़ी संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया।

श्रृंगारिका

नई दिल्ली। जब तक एकता नहीं होगी तब तक सुरक्षा नहीं होगी। जब तक सुरक्षा नहीं होगी तब तक प्रगति नहीं होगी। यह ध्येय वाक्य राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के कैड़ेटेस के दिमाग में हर समय रहना चाहिए। एनसीसी के साथ एनएसएस के लोग धरती, समाज और आत्मा को जोड़कर काम करेंगे तभी अमृतकाल में अमन और शांति होगी। देश प्रगति के पथ पर आगे बढ़ेगा। यह बात दिल्ली विश्वविद्यालय के रामलाल आनंद महाविद्यालय में 'मेरी माटी मेरा देश' नामक आयोजन में मंगलवार को मुख्य अतिथि के तौर पर एनसीसी के एडीजी मेजर जनरल एसपी विश्वासराव ने कही। मेजर जनरल एसपी

■ धरती, समाज और आत्मा को जोड़कर काम करे एनसीसी : मेजर जनरल एसपी विश्वासराव
■ दिल्ली विवि के रामलाल आनंद महाविद्यालय में 'मेरी माटी मेरा देश' समारोह

विश्वासराव ने एनसीसी और एनएसएस के संयुक्त आयोजन में अपनी बात रखते हुए कहा कि हम सभी को भारतीयता का जश्न मनाना चाहिए। साथ ही उनका कहना था कि एनसीसी के जो गोल हैं उनको प्रधानमंत्री ने जिस तरह से अमृतकाल से जोड़ा है वह काफी महत्वपूर्ण है। एनसीसी और एनएसएस दोनों के गोल समान हैं। एनसीसी के पास एक जिम्मेदारी ज्यादा है, वह है सेना में भर्ती के लिए एक तरह से माहौल बनाना। उसकी तैयारी करना। अपने संबोधन में उन्होंने कारगिल युद्ध से लेकर तीन अलग–अलग घटनाओं में शहीद हुए सैनिकों की कहानी सुनाई, जिससे हॉल में मौजूद लोग भावुक हो गए। उन्होंने युवाओं से अपील की कि अपने आसपास शहीद हुए वीर सैनिकों के परिवारों को समय समय पर देखना चाहिए। उनके सुख–दुख में शामिल होने का प्रयास करना चाहिए। अतिथि के रूप में दिल्ली डायरेक्टरेट के ग्रुप कमांडर कैप्टन केडी दीपक और दिल्ली विवि के एनएसएस प्रभारी डॉ. नरेन्द्र कुमार बिश्नोई भी मौजूद रहे।

समारोह की शुरुआत में महाविद्यालय प्राचार्य प्रो. राकेश कुमार गुप्ता ने पौधा और स्मृति चिन्ह देकर अतिथियों का स्वागत किया। साथ ही कहा कि ऐसे आयोजनों से युवाओं का देश और समाज के प्रति एक जुड़ाव होता है।

दिल्ली विवि के एनसीसी प्रभारी मेजर प्रो. संजय कुमार शर्मा ने आयोजन की रूपरेखा रखते हुए भारत को चन्द्रयान में मिली सफलता का जिक्र किया तो हॉल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। कैडेट्स की मुस्कान देखकर इस बात का अंदाजा लगाया जा सकता है कि वे चंद्रयान के सफल लैन्डिंग से कितने खुश थे । प्रो. शर्मा ने एनसीसी कैडेट्स को भारत के स्वर्णिम इतिहास और गौरवशाली भविष्य की कामना करते हुए एकता और अनुशासन में रहकर काम करने की बात कही।

कॉलेज को पहचानें छात्र

जया

नई दिल्ली । हाल ही में राम लाल आनंद महाविद्यालय ने महाविद्यालय ष्टसे जुड़ रहे नये छात्रों के लिए ऑनलाइन ओरिएन्टेशन कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में सभी विभागों के शिक्षकगण एवम् महाविद्यालय प्राचार्य प्रो. राकेश कुमार गुप्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के माध्यम से महाविद्यालय से जुड़े नये विद्यार्थियों को महाविद्यालय में मौजूद सभी विभागों तथा उनके कार्यों से अवगत कराया गया। साथ ही विद्यार्थियों को मिलने वाली सभी प्रकार की सुविधाएं जैसे लैब, पुस्तकालय, कैंटीन तथा अनेक सोसाइटी आदि की जानकारियां भी दी गईं।

समारोह के दौरान प्रो. राकेश कुमार गुप्ता ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उन्हें कॉलेज की सभी उपलब्धियों के बारे में बताया। विद्यार्थियों को नई शिक्षा नीति के कारण पाठ्यक्रम में आने वाले बदलावों से भी अवगत कराया गया। महाविद्यालय के अनेकों विभागों के बारे में विस्तार से बताया गया।

विद्यार्थियों को कॉलेज में उपस्थित दिल्ली विश्वविद्यालय के इकलौते सामुदायिक रेडियो तरंग 90.0 एफएम के बारे में भी सूचित किया गया, जो कि राम लाल आनंद महाविद्यालय में ही केवल मौजूद है।

सामुदायिक रेडियो के छह महीने पूरे होने की भी बात की गई। कार्यक्रम के अंत में सभी शिक्षकों तथा महाविद्यालय प्राचार्य प्रो. राकेश कुमार गुप्ता ने सभी विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। उज्ज्वल भविष्य की कामना के साथ ही कार्यक्रम का समापन किया गया।

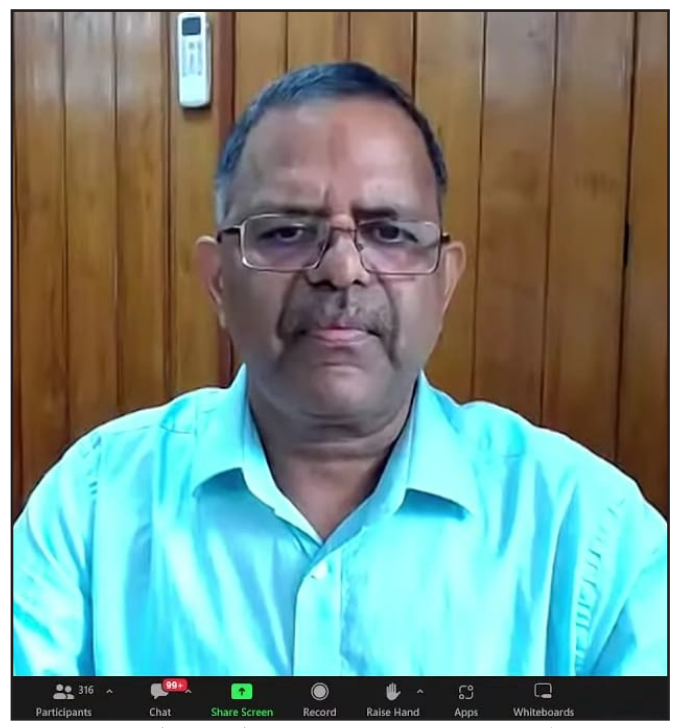

विभाग में नए विद्यार्थियों का स्वागत

संजीव

नई दिल्ली । नया सत्र शुरू होते ही महाविद्यालयों में ओरिएन्टेशन का सिलसिला शुरू हो जाता है। राम लाल आनंद महाविद्यालय, के हिंदी पत्रकारिता एवं जन. संचार के छात्रों के लिए भी ओरिएंटेशन समारोह का आयोजन किया गया । कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों का विभाग और शिक्षकों से परिचय करवाया गया। विभाग के हर शिक्षक ने अपना अपना वक्तव्य

हिंदी पत्रकारिता के ओरिएन्टेशन समारोह में मौजूद शिक्षक।

विद्यार्थियों के सामने रखा। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों को मीडिया क्षेत्र में करियर के अवसरों से अवगत कराना था। साथ ही उन्हें विभाग के अनेकों आयाम, कार्य तथा विद्यार्थियों के लिए मौजूद अनेकों सुविधाओं जैसे–सामुदायिक रेडियो, मीडिया लैब, मीडिया स्टूडियो के बारे में भी बताया गया। शिक्षकों ने विद्यार्थियों को भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

भविष्य की योजनाओं के लिए हुई बैठक

विवेक

नई दिल्ली। हिन्दी पत्रकारिता के लिए जाना जाने वाला राम लाल आनंद महाविद्यालय आए दिन पत्रकारिता से जुड़े आयोजन को लेकर चर्चा में रहता है। महाविद्यालय प्राचार्य प्रोफेसर राकेश कुमार गुप्ता के साथ हाल ही में विद्यार्थियों की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में तीनों वर्ष के विद्यार्थी उपस्थिति रहे। इस मौके पर विद्यार्थियों के साथ हिंदी पत्रकारिता विभाग के शिक्षकगण भी उपस्थित रहे।

बैठक का मुख्य उद्देश्य हिंदी पत्रकरिता विभाग को और बेहतर बनाना तथा भविष्य के कार्यों को लेकर संभावनाएं तय करना था। प्रोफेसर राकेश कुमार गुप्ता ने कहा कि हम चाहते हैं कि हमारा हर छात्र सफलता हासिल करे और अपने कार्यक्षेत्र में महाविद्यालय तथा अभिभावकों का नाम रोशन करे। भविष्य की संभावनाओं को लेकर प्राचार्य ने सभी विद्यार्थियों और शिक्षकों से सुझाव भी लिए। जैसे सामुदायिक रेडियो, मीडिया स्टूडियो, मीडिया लैब को और बेहतर कैसे कर सकते हैं।

सभी के विचारों को सुनने और समझने के बाद उन्होंने अपनी ओर से कुछ सुझाव भी दिए और शिक्षकों को उन सुझावों पर अमल करने का आदेश भी दिया। साथ ही बैठक में विद्यार्थियों की समस्याओं को सुनकर उनके ऊपर नीतियां बनाई गईं, जिन पर आगे चलकर काम किया जायेगा। इसी आश्वासन के साथ बैठक की समाप्ति हुई।

चरैवेति–चरैवेति...

प्रो. राकेश कुमार

आदरणीय प्राचार्य प्रो. राकेश कुमार गुप्ता जी के कुशल और प्रेरणापरक नेतृत्व में हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। पिछले लगभग छह वर्षों में विभाग ने निरंतर यह प्रयास किया है कि हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार के विद्यार्थियों को मीडिया जगत की श्रेष्ठ अकादमिक और प्रायोगिक शिक्षा प्राप्त हो, इसके लिए आधुनिक उपकरणों से लैस एवी स्टूडियो हो या फिर दिल्ली विश्वविद्यालय का एक मात्र सामुदायिक रेडियो रेडियो तरंग 90.0 एफएम हो, चाहे आरएलए समाचार हो या सम्भव पत्रिका का प्रकाशन हो, सभी में यह प्रतिबद्धता दिखाई देती है कि विद्यार्थी जब रामलाल आनंद महाविद्यालय के हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग से परीक्षा उत्तीर्ण करके मीडिया जगत में उतरे तो उसके पास पत्रकारिता का श्रेष्ठ प्रशिक्षण हो। इसी प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हुए प्राचार्यजी के आग्रह पर विभाग आरएलए समाचार को एक मासिक ई न्यूज़ लेटर के रूप में प्रारम्भ करने जा रहा है। इस ई न्यूज़ लेटर में राम लाल आनंद महाविद्यालय में निरंतर चल रही गतिविधियों की रिपोर्ट तथा समसामयिक विषयों पर आलेख प्रकाशित होंगे। इसके पीछे हमारे दो उददेश्य हैं पहला यह कि मासिक न्यूज लेटर विद्यार्थियों को निरंतर लिखने–पढ़ने और विचार करने का अवसर प्रदान करेगा। साथ ही इस प्रक्रिया में वे कॉलेज व विश्वविद्यालय की गतिविधियों का दस्तावेजीकरण भी करते चलेंगे। मैं अपनी ओर से पूरे सम्पादक मंडल को तथा न्यूज़ लेटर के परामर्शदाता डॉ. अटल तिवारी को कोटिशः बधाई और शुभकामनाएं देता हूं और आशा करता हूं कि यह न्यूज़ लेटर हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार की समृद्ध परम्परा को आगे बढ़ाएगा।

'दातापीर' को सम्मान

पुष्पेन्द्र

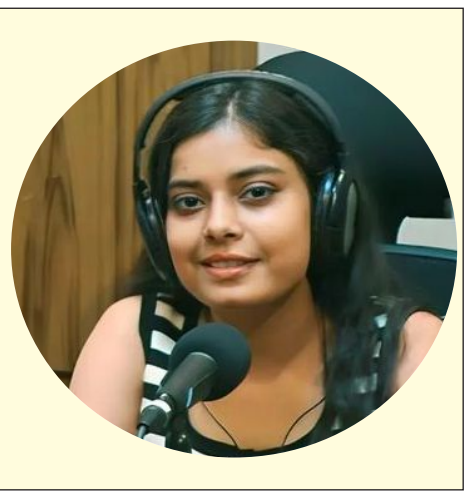

नई दिल्ली । ऋषिकेश सुलभ हिन्दी के समकालीन शीर्ष लेखकों में से एक हैं। सुलभ ने 2019 में संगीत नाटक अकादमी से पुरस्कार प्राप्त किया। सुलभ कहानी, नाटक और विदेशिया शैली में लेखन के लिए जाने जाते हैं। 1980 से 2015 तक सुलभ ऑल इण्डिया रेडियो में कार्यरत रहे। इनका जन्म 15 फरवरी 1955 को बिहार के सिवान में हुआ। इनका दूसरा नाम प्रभात है। इनकी शिक्षा की बात की जाए तो बी.एन. कॉलेज पटना से सुलभ ने स्नातक किया है। इनकी स्नातक की डिग्री कला क्षेत्र में है। लेखक सुलभ ने अपनी शिक्षा हिन्दी माध्यम में पूरी की। उनकी विधाओं की बात करें तो लेखक सुलभ ने कहानी, नाटक जैसी कई विधाओं में लेखन किया है। आपने विपुल लेखन किया है। अपने इसी काम के बदौलत उन्हें इंदु शर्मा अन्तर्राष्ट्रीय कथा सम्मान, बनारसी प्रसाद भोजपुरी सम्मान, अनिल कुमार मुखर्जी शिखर सम्मान, रामवृक्ष बेनीपुरी सम्मान, पाटलिपुत्र पुरस्कार, सिद्धार्थ कुमार स्मृति सम्मान आदि मिल चुके हैं। आप सोच नहीं सकते कि ऋषिकेष सुलभ ने अपने करिअर में कितना लेखन किया होगा।

ऋषिकेश सुलभ

ऋषिकेश सुलभ लेखन कला के धनी हैं। इनके जीवन में ठहराव नामक शब्द नहीं है। बिना रुके एक के बाद एक कृति हिंदी पाठकों तक पहुंचाई। उनकी कुछ चुनिंदा कृतियां अमली, धरती आबा, बटोही, बंधा है काल, तूती की आवाज आदि हैं।

उनकी एक प्रसिद्ध उपन्यास 'दातापीर' मैयतों और कालों के बीच जीवन का राग–विराग है। 'दातापीर' ऋषिकेश सुलभ का चर्चित उपन्यास है, यह उपन्यास मुस्लिम समाप्त मुजाविरों और शहनाई बजाने वाले एक घराने की कथा है। यह उपन्यास आज के समय में चर्चित है, क्योंकि 'दातापीर' को 'अज्ञेय सृजन पुरुस्कार' मिलने वाला है।

'दाता पीर' उपन्यास में ख़ान, दरगाहों, मजारों और पीर फकीरों की कहानियां हैं। यह उपन्यास भारतीय समाज के ऐसे एक हिस्से से रूबरू कराता है, जो आम आदमी की नजरों से आम तौर पर ओझल रहा है। 'दातापीर' उपन्यास राजकमल प्रकाशन से प्रकाशित हुआ है। इस उपन्यास के माध्यम से सुलभजी ने मुस्लिम समाज के जीवन और उससे संदर्भित प्रत्येक जटिलताओं, गांठों, विषमताओं और उसमें स्त्रियों की सामाजिक, आर्थिक हैसियत को उजागर किया है।

पत्रकारिता करना आसान काम नहीं

साक्षात्कारदाता
इस्मत आरा
(पत्रकार, द हिन्दू)

साक्षात्कारकर्ता
निहारिका

प्रस्तुति
शाम्भवी

वर्ल्ड प्रेस फ्रीडम डे के अवसर पर राम लाल आनंद महाविद्यालय के सामुदायिक रेडियो रेडियो तरंग 90.0 एफएम में लाडली मीडिया अवार्डी और ह्यूमन राइट्स रिलीजियस फ्रीडम यंग जर्नलिस्ट ऑफ द ईयर अवार्ड से सम्मानित 'द हिंदू' की पत्रकार **इस्मत आरा** को इंटरव्यू के लिए बुलाया गया। इस दौरान हिन्दी पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग की तृतीय वर्ष की छात्रा **निहारिका** ने उनसे कुछ सवाल किए। उस इंटरव्यू के कुछ अंश यहां पाठकों के लिए पेश हैं...

मैम, प्रेस फ्रीडम इंडेक्स, रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स संस्था द्वारा निकाली जाती है, क्योंकि इसका पैमाना पूर्णतः एक समान नहीं होता। ऐसे में क्या हम इस पर आंख बंदकर भरोसा कर सकते हैं?

देखिए, अगर बेसिक से समझने का प्रयास करें तो पत्रकारिता आसान काम नहीं होता। आप सरकार से सवाल करते हैं। आप लोगों के मुद्दों को उठाने का काम करते हैं। ऐसे में आप बहुत चुनौती भरी परिस्थितियों में भी अपना काम करते हैं तो आप जिस प्रेस फ्रीडम इंडेक्स की बात कर रहे हैं जिसे रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स द्वारा निकाला जाता है, उसके अपने कुछ पैमाने होते हैं, जिनके हिसाब से वह अपनी रिपोर्ट तैयार करते हैं। उसमें बहुत सारी चीजें होती हैं। कुछ तो बहुत ही बाहर की चीजें भी होती हैं, जैसे–किस देश में कितने पत्रकारों के ऊपर कितने हमले हुए या कितने पत्रकार मार दिए गए क्योंकि यह अक्सर होता है। इस तरह के डाटा प्वाइंट्स को देखते हुए यह रिपोर्ट निकाली जाती है और जहां तक इस पर भरोसा करने की बात है तो मुझे लगता है कि इसे संकेत की तरह से देखना चाहिए। मतलब अगर इंडिया का रैंक नीचे चला गया तो इसका मतलब यह नहीं है कि सब कुछ बर्बाद हो गया है। मगर संकेत इस बात के हैं कि इसके जो जरूरी पैमाने हैं, कोई देश उन पर खरा नहीं उतर रहा है।

आपको लाडली मीडिया का अवार्ड मिला है। ऐसे में हम चाहेंगे कि आप हमें इसके पीछे की स्टोरी बताएं।

यह जो लाडली मीडिया का अवार्ड था, यह मुझे 2021 में मिला था। यह अवार्ड मुझे एक स्टोरी के लिए मिला था। उत्तर प्रदेश के हाथरस में गैंगरेप हुआ था एक दलित लड़की का, जो काफी कम उम्र की लड़की थी। उसके ऊपर स्टोरी के लिए मुझे यह अवार्ड मिला था।

जर्नलिज्म में कई बीट होती हैं, आपको कौन सी बीट ऐसी लगती है जिस पर सबसे कम काम किया जा रहा है और इस दौर में उसे और अधिक तवज्जो देने की आवश्यकता है?

पत्रकारिता में बीट तो बहुत होती हैं। मैं कुछ अपनी ही बीट्स बता देती हूं जिस पर कि मैं काम करती हूं। क्राइम, एनवायरनमेंट, कल्चर, पॉलिटिक्स, जेंडर इस तरह की बीट्स में खुद करती हूं। ऐसी बीट जिसमें मुझे लगता है कि सबसे कम काम किया गया है, वह है माइनॉरिटी और मार्जिनलाइज्ड कम्युनिटी के साथ जो अपराध होते हैं उनके ऊपर जिस तरह का जुल्म होता है, उस पर काम नहीं किया जा रहा है हमारे देश में। इसमें मुस्लिम भी हैं, दलित भी हैं, आदिवासी भी हैं। इसमें बहुत तरह के लोग आ जाएंगे। मुझे लगता है कि उनके साथ जो अपराध होते हैं वह हाईलाइट नहीं होते हैं। मगर अब मैं देख रही हूं कि कई सारे छोटे–छोटे मीडिया हाउसेज भी ओपेन हो रहे हैं, जो इस तरह की खबरों को भी कवर करते हैं। लेकिन उनके पास इस तरह का इंफ्रास्ट्रक्चर नहीं है। जो बड़ी ऑर्गनाइजेशंस हैं उनमें बड़ी कमी यह है कि मार्जिनलाइज्ड कम्युनिटीज के बारे में वहां रिपोर्ट्स बहुत कम होती हैं।

किसी भी फील्ड में जाने की सबकी एक कहानी होती है। आप हमें बताएं कि पत्रकारिता में आने की आपकी क्या कहानी रही है?

मुझे बचपन से ही लिखना बहुत ज्यादा पसंद था। जब मैं थोड़ी बड़ी हुई तो मैंने सोचा कि कुछ ऐसा ही करना चाहिए, जहां लिखने का अवसर मिले। फिर जब मैंने 'द हिंदू' में अपना पहला इंटर्नशिप किया तो इंटर्नशिप के पहले ही दिन जो एडिटर थे उन्होंने मुझे कहा कि जंतर मंतर जाओ और वहां जो भी प्रोटेस्ट हो रहा है उनमें से तुम्हें जो सही लगे उस पर एक रिपोर्ट तैयार करके आओ। उसके बाद मुझे लगा कि हां यह किया जा सकता है। उसी दिन मैं समझ गई थी कि यही करना है। इसके अलावा हमारे देश में बहुत सारी कहानियां ऐसी हैं जिन्हें कवर नहीं किया जाता है। 2022 में जब उत्तर प्रदेश विधानसभा का चुनाव चल रहा था तब मैं प्रदेश के ही एक गांव गई थी, जो सोनभद्र जिले में पड़ता है, जहां लोगों को राशन में शीशे और प्लास्टिक मिल रहे थे। पानी की खराब क्वालिटी के कारण उस गांव के 40 लोगों की जान चली गई थी। लेकिन इस पर मुझे किसी अखबार में स्टोरी नहीं मिली, वहां के लोकल अखबार में भी इस पर स्टोरी नहीं छपी थी। मुझे ऐसा लगा कि यह बहुत जरूरी है। इस तरह की कहानियों को सुनना और लिखना। यह भी एक बड़ी और जरूरी वजह रही मेरे इस क्षेत्र में आने की।

मीडिया में कॉर्पोरेट का क्या रोल है? क्या कॉर्पोरेट मार्केट तक ही सीमित रहता है या फिर इसका साया खबरों पर भी पड़ता है?

मुझे लगता है कि मीडिया हाउसों को सस्टेनेबल रेवेन्यू मॉडल की तरफ बढ़ना चाहिए। जैसा कि आप लोगों ने देखा होगा कि आजकल एक सब्सक्रिप्शन मॉडल और एक डोनेशन मॉडल है, जहां रीडर खुद डोनेट करें या जो रीडर है वह सब्सक्राइब करें। पाठकों से भी मैं अनुरोध करना चाहूंगी कि आप कम से कम किसी एक पब्लिकेशन हाउस को, जो कि आपको पसंद है, उसका सब्सक्रिप्शन लें और उसको रेगुलरली पढ़ें। एक मीडिया हाउस के लिए अपनी स्टोरी को कवर करने के लिए आजादी बहुत महत्वपूर्ण होती है।

मैम, आपको ह्यूमन राइट्स रिलीजियस फ्रीडम यंग जर्नलिस्ट ऑफ द ईयर का भी अवार्ड मिला है। इसके पीछे की स्टोरी क्या रही है?

मुझे लगता है कि मेरी जो स्टोरी थी, वह माइनॉरिटी और मार्जिनलाइज्ड कम्युनिटीज के ऊपर थी। इसके लिए मुझे यह अवार्ड मिला था, क्योंकि मुझे लगता है कि जिस समुदाय से आप आते हो उसके ऊपर भी थोड़ी–थोड़ी रिपोर्टिंग जरूरी है। ऐसे में मैं हमेशा कोशिश करती हूं कि इस तरह के रिपोर्ताज करूं। लोगों के मसलों को सामने लाऊं और इसी के लिए यह अवार्ड मिला था।

आप पाठकों को क्या संदेश देना चाहेंगी?

जो भी पत्रकारिता के क्षेत्र में आना चाहते हैं उनके लिए सबसे पहले यह समझना जरूरी है कि कि पत्रकारिता एक मुश्किल काम है। जैसा कि मैंने पहले भी कहा था कि जो भी पत्रकारिता में आना चाहते हैं वे इंडेक्स पढ़ें, न्यूज पेपर पढ़िए और मैगजींस पढ़िए। क्योंकि यह बात समझाना बहुत जरूरी है कि जर्नलिज्म में बहुत पैसा, बहुत सेफ्टी और बहुत सुकून नहीं है। आपको कभी रात में कहीं बाहर जाना पड़ सकता है। बहुत डर लगा रहता है। तो मुझे लगता है कि इन सब बातों को ध्यान में रखना बहुत जरूरी है। मुझे लगता है कि अगर आपने इन सब चीजों के ऊपर सोच लिया है तब आप पत्रकारिता के क्षेत्र में आगे बढ़ सकते हैं।

विभाग से जुडी जानकारियों के लिए दिए गए क्यूआर कोड को स्कैन करें।

विद्यार्थियों को सशक्त बनाता व्यावहारिक ज्ञान

कामाक्षी

नई दिल्ली । नई शिक्षा नीति आने के बाद पाठ्यक्रम में काफी बदलाव आए हैं, शिक्षा को सिर्फ किताबी कहानी न बनाकर उसे और व्यावहारिक बनाने का कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में राम लाल आन्द महाविद्यालय, हिन्दी पत्रकारिता पाठ्यक्रम के अनुसार विद्यार्थियों को इंडिया टी.वी. भ्रमण के लिए ले जाया गया। इंडिया टी.वी. में मुख्यतः डिबेट का आयोजन था जो भारत और चीन के संबंधों पर टिका रहा।

राजनीतिक दलों से भाजपा, कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के अलग–अलग प्रवक्ताओं को आमन्त्रित किया गया था। डिबेट में भारत और चीन के संबंध, केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के विकास और चीनी घुसपैठ जैसे मुद्दों पर बहसबाजी हुई। हर राजनीतिक दल के प्रवक्ता ने एक दूसरे के ऊपर तंज कसे। इसके साथ ही साथ दूसरी डिबेट अलग मुद्दे पर हुई। दूसरे डिबेट में 2024 इलेक्शन बहस का मुद्दा बना रहा एक तरफ भाजपा थी तो दूसरी ओर 27 पार्टियों से मिलकर बनी पार्टी आई.एन.डी.आई.ए. थी, जिसके नेतृत्व में कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के प्रवक्ता मौजूद थे। दलों ने आपस में एक दूसरे पर आरोप–प्रत्यारोप लगाये। विद्यार्थियों का यह भ्रमण उनके लिए काफी लाभदायक रहा।

उन्होंने जहां मीडिया हाउस के कार्य करने के तरीकों को अच्छे से समझा वहीं तीनों सत्र के विद्यार्थियों में उत्साह देखने को मिला। हिन्दी पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग आए दिन विद्यार्थियों के व्यावहारिक ज्ञान के लिए अलग–अलग जगह भ्रमण कराता रहता है।

नए ग्राउंड में नई जीत

लक्ष्मी

नई दिल्ली । राष्ट्रीय खेल दिवस के मौके पर राम लाल आनंद महाविद्यालय और आर्यभट्ट महाविद्यालय के संयुक्त खेल मैदान में विभिन्न खेलों के लिए कई नई सुविधाएं जुड़ीं। दोनों महाविद्यालय के प्राचार्य ने संयुक्त रूप से फीता काटकर इन सुविधाओं का शुभारंभ किया। इस अवसर पर दोनों महाविद्यालयों के शिक्षकों के बीच एक क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया, जिसमें राम लाल आनंद महाविद्यालय ने बड़े रनों के अंतर से जीत का परचम लहराया।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर आयोजन की शुरुआत सुबह करीब 8:30 बजे हुई, जिसमें रामलाल आनंद महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर राकेश कुमार गुप्ता और आर्यभट्ट महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर मनोज सिन्हा मुख्य आतिथि के रूप में मौजूद थे। कार्यक्रम के उद्घाटन के बाद क्रिकेट मैच की शुरुआत बड़े ही उत्साह के साथ हुई। प्रो. राकेश कुमार गुप्ता ने मैच के लिए टॉस किया। आरएलए के कप्तान कंप्यूटर साइंस के प्रो. अरुण सिंह ने बैटिंग करने का फैसला किया। 20 ओवर के इस मैच में टीम आरएलए ने 175 रन का स्कोर खड़ा किया। फिजिकल एजूकेशन के डॉ. विशाल गोस्वामी ने अर्धशतक जड़ा। आर्यभट्ट की टीम को जीतने के लिए 20 ओवर पर 176 रन की जरूरत थी, पर वह इस लक्ष्य को हासिल नहीं कर सकी। पूरी टीम 108 रन पर ऑल आउट हो गई। इस रोमांचक मुकाबले में टीम आरएलए की जीत हुई। दर्शकों के रूप में दोनों कॉलेज के विद्यार्थियों ने अपने शिक्षकों का उत्साहवर्धन किया।

इससे पहले खेल मैदान में जुड़ी सुविधाओं को शिक्षकों ने निहारा। वहीं बात करें सुविधाओं की तो क्रिकेट के लिए तीन पिच बनाई गई हैं।

चार वर्षों बाद डूसू चुनाव, विद्यार्थियों में उत्साह

दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्रसंघ चुनाव में कई उम्मीदवारों ने अलग–अलग महाविद्यालयों में जाकर चुनाव प्रचार किया।

कविता यादव

नई दिल्ली । दिल्ली विवि छात्रसंघ चुनाव 22 सितंबर को होने वाला है। इसके लिए शेड्यूल जारी कर दिया गया है। चुनाव के लिए नामांकन 15 सितंबर दोपहर 12:00 बजे तक वापस लिए जा सकते हैं, उम्मीदवारों की अंतिम सूची उसी दिन जारी की जाएगी।

विश्वविद्यालय के कॉलेजों में इन दिनों एक अलग तरह का माहौल देखने को मिल रहा है। कोविड –19 के कारण चार वर्षों के बाद डूसू का चुनाव इस बार होने जा रहा है। कॉलेज परिसर में विद्यार्थियों द्वारा अपने–अपने उम्मीदवार के लिए चुनाव प्रचार जोरों शोरों से किया जा रहा है। इस चुनाव में डूसू चुनाव के लिए नौ संभावित उम्मीदवारों की एक सूची जारी की गई है। सूची के अनुसार अंकित विश्वास, अपराजिता, भानु प्रताप सिंह, निशुल, ऋषभ चौधरी, सचिन बैसला, सारांश भाटी, सुशांत धनखड़ और तुषार डेढ़ा के नाम शामिल हैं।

कॉलेज परिसर में छात्रों द्वारा अपने–अपने उम्मीदवारों के लिए चुनाव प्रचार जोर शोर से किया जा रहे हैं। डीयू के हर कॉलेज में चुनाव का माहौल छाया हुआ हैं। प्रत्याशियों के समर्थक अलग अलग महाविद्यालयों में जाकर चुनाव का प्रचार प्रसार कर रहे हैं। सोमवार को महाविद्यालय छात्र संघ कार्यकारिणी पदों की सूची जारी कर बताया गया कि अध्यक्ष पद तृतीय वर्ष के छात्र, उपाध्यक्ष पद महिला विद्यार्थी के लिए आरक्षित तथा संयुक्त सचिव पद के लिए प्रथम वर्ष के छात्र प्रतिभागी होंगे। विश्वविद्यालय के शेड्यूल के अनुसार छात्रसंघ चुनाव के नतीजे 22 सितम्बर को घोषित कर दिए जाएंगे। प्रशासन ने छात्रों से शांति से काम करने की अपील की है।

मीडिया विद्यार्थियों के लिए सुनहरा अवसर

मीनाक्षी त्रिपाठी

नई दिल्ली । उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड के कला एवं मीडिया विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा संस्थान के द्वारा साल के अंतिम महीने दिसंबर 2023 में प्रेरणा चित्र भारतीय फिल्मोत्सव का आयोजन किया जा रहा है।

फिल्मोत्सव गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय ग्रेटर नोएडा में आयोजित किया जाएगा। इसमें चरित्रकथा फिल्में तथा डॉक्यूड्रामा आदि भेज सकते हैं जिसका अधिकतम समय 20 मिनट निर्धारित है। प्रतियोगिता के लिए विषय कुछ इस प्रकार हैं, आजादी का अमृत महोत्सव, भारतीय लोकतंत्र, जनजातीय समाज,उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखंड की संस्कृति, पर्यावरण, ग्राम विकास ,स्वाधीनता आंदोलन, भविष्य का भारत, सामाजिक सद्भाव, धर्म एवं आध्यात्म ,महिला सशक्तिकरण आदि। सूचना के अनुसार अपनी प्रविष्टियां 5 जून से 5 अक्टूबर 2023 तक भेज सकते हैं ।

आरोह का लक्ष्य है समाज के साथ विद्यार्थियों का समग्र विकास

खुशी

नई दिल्ली । आरोह समिति का उद्देश्य केवल वाद विवाद करवाना नहीं बल्कि समाज का समग्र विकास भी है। यह एक ऐसा मंच है जिससे आप समूचे विश्व से जुड़ सकते हैं। यह बातें राम लाल आनंद महाविद्यालय की वाद विवाद समिति आरोह की ओर से आयोजित 'मेरी माटी मेरा देश' स्वतंत्रता सप्ताह के समापन अवसर का सार हैं। वाद विवाद समिति आरोह ने स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में 21 से 25 अगस्त तक स्वतंत्रता सप्ताह मनाया। इसमें विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। सप्ताह के पहले दिन 21 अगस्त को भारतीय जनसंचार संस्थान के शिक्षक प्रो. प्रमोद कुमार ने कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए अपने कई अनुभव साझा किए। सप्ताह में कुल छह प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। इनमें भाषण प्रतियोगिता, आशु भाषण, व्यक्तित्व वाद विवाद, कहानी लेखन एवं प्रस्तुतिकरण, फोटो कैप्शन लेखन तथा ओपन माइक प्रतियोगिता शामिल है। इनमें राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिभागियों को आमंत्रित किया गया था। दिल्ली विश्वविद्यालय के अलावा इंद्रप्रस्थ वि वि तथा जामिया मिलिया इस्लामिया से आए प्रतिभागियों ने भी भाग लिया। समापन समारोह में प्राचार्य प्रो. राकेश कुमार गुप्ता ने प्रतिभागियों से बातचीत की।

अंदाज : नए चेहरों के साथ

सोनिका

नई दिल्ली । शुक्रवार सुबह 11 बजे अंदाज एंकरिंग समिति ने अपनी चयन प्रक्रिया का आयोजन किया। अंदाज समिति रामलाल आनंद महाविद्यालय की एंकरिंग समिति है। समिति ने एंकर, कंटेंट राइटर और ग्राफिक डिजाइनर आदि पदों पर नियुक्ति के लिए आवेदन जारी किए थे। इससे जुड़ने के लिए कई विद्यार्थियों ने आवेदन किया।

समिति में चयन की प्रक्रिया दो चरणों में विभाजित की गयी। पहले चरण में किसी भी विषय पर आयोजित कार्यक्रम में 2 मिनट के लिए मंच संचालक की भूमिका निभानी थी तथा दूसरा चरण व्यक्तिगत साक्षात्कार के लिए रखा गया था । पहले चरण में चुने गए प्रतिभागी दूसरे चरण में जाएंगे। पहले चरण की शुरुआत में समिति के अध्यक्ष रौनक सिंह ने एंकरिंग के निर्णय मापदंड का ऐलान किया। इसी के साथ चयन प्रक्रिया शुरू की गई। ऑडिशन में 60 से भी अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया था। सभी प्रतिभागियों ने अपने अंदाज में ऑडिशन दिया। यह प्रक्रिया सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक चली।

ऑडिशन के परिणामों की घोषणा के बाद विद्यार्थियों को पर्सनल इंटरव्यू की प्रक्रिया से गुजरना होगा। इसमें समिति के लोग उनसे कुछ सवाल पूछेंगे। इसी के आधार पर समिति में प्रतिभागियों का स्थान तय होगा। अभी दूसरे चरण के लिए समय और दिन निर्धारित नहीं किए गए हैं। कंटेंट राइटर्स की नियुक्ति के लिए प्रतिभागियों को कुछ विषयों पर स्क्रिप्ट लिखने को कहा गया। लेखन कौशल व विषय की समझ के अनुसार ही प्रतिभागियों का चयन होगा। इनके परिणामों की घोषणा समिति की ओर से जल्द की जाएगी।

राम लाल आनंद महाविद्यालय में बड़े ही उत्साह के साथ मनाया गया 77वां स्वतन्त्रता दिवस।

अतीत के गौरव को सराहने का क्षण

आदित्य कनोजिया

नई दिल्ली । हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी राम लाल आनंद महाविद्यालय में स्वतंत्रता दिवस बड़े ही उत्साह के साथ मनाया गया। 77वां स्वतंत्रता दिवस अतीत के गौरव को सराहने, वर्तमान को संजोने और भविष्य को अपनाने के बारे में था। इसमें 100 से अधिक लोग शामिल थे और पूरे कार्यक्रम के दौरान उत्साहित रहे। आयोजन को सफल बनाने में एनसीसी तथा एनएसएस के स्वयंसेवकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। कार्यक्रम की शुरुआत ध्वजारोहण के साथ हुई। प्राचार्य के कर कमलों से ध्वजारोहण कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। एनसीसी कैडेट्स परेड के साथ गणमान्य अतिथियों को मंच तक लाए।

महाविद्यालय प्राचार्य प्रो. राकेश कुमार गुप्ता एवं एनसीसी समन्वयक प्रो. संजय कुमार शर्मा ने सभी विद्यार्थियों एवं शिक्षकगण को संबोधित किया। उनके ज्ञान और प्रोत्साहन से भरे शब्दों ने लोगों में एक बेहतर और विकसित भारत की ओर बढ़ने लिए ऊर्जा प्रज्ज्वलित की। प्राचार्य ने प्रधानमंत्री संबोधन के कुछ महत्वपूर्ण बिंदुओं का भी उल्लेख किया।

विद्यार्थियों ने शिक्षकों के लिए किया आयोजन

श्रुति मिश्रा

नई दिल्ली। हर बार की तरह इस बार भी रामलाल आनंद महाविद्यालय के हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग ने शिक्षक दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम का आयोजन तीनों सत्र के विद्यार्थियों ने मिलकर किया। इसकी रूपरेखा विभाग के सभी विद्यार्थियों ने रखी। विभाग के सभी शिक्षक एवं विभागाध्यक्ष भी उपस्थित रहे, जो शिक्षक हमारे लिए सदैव तैयार रहते हैं और हमें रास्ता दिखाते हैं, उन शिक्षकों को धन्यवाद करने और उनके प्रति प्रेम दर्शाने के लिए विद्यार्थियों ने कुछ उपहार भेंट किए। गुलाब का फूल और स्वरचित पंक्तियों से विद्यार्थियों ने अपना प्रेम, सम्मान और आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर शिक्षकों ने भी अपने शिक्षकों को याद किया और उनकी कही बातों को याद किया।

हिंदी दिवस के मूल सिद्धांत को प्रसारित करेगा हिन्दी पखवाड़ा

गुन कश्यप

नई दिल्ली। भारत की राजभाषा, हिंदी का जन्म भारत में सन् 1953 में देखने को मिलता है। भारत के अधिकतर क्षेत्रों में हिंदी का वर्चस्व अधिक होने के कारण हिंदी को प्रतिपादित एवं प्रत्येक क्षेत्र मे प्रसारित करने के लिए संविधान सभा ने निर्णय लिया और प्रत्येक वर्ष के 14 सितंबर को हिंदी दिवस के रूप में घोषित किया। इसी के उपलक्ष्य में राम लाल आनंद महाविद्यालय ने हिंदी सप्ताह का आयोजन किया।

महाविद्यालय में हर वर्ष की तरह इस बार भी हिंदी भाषा की हमारे जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका दर्शाते हुए इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वर्ष 2023 में होने वाले हिंदी दिवस का आयोजन हिंदी साहित्य परिषद, हिंदी विभाग एवं राजभाषा समिति कर रहा है। इस वर्ष कार्यक्रम की रूपरेखा 12 सितंबर 2023 से लेकर 16 सितंबर 2023 तक रखी गई है। हिंदी सप्ताह के पहले दिन 12 सितंबर को रचनात्मक लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें सभी प्रतिभागी नई एवं अलग रचनाओं का निर्माण करेंगे, जो अपने आप में एक अद्भुत कला हैं। यह प्रतियोगिता विद्यार्थियों के लिए रखी गयी हैं, जिसका स्थान सेमिनार कक्ष व समय दोपहर 1 बजे से 2 बजे तक रखा गया हैं।

महाविद्यालय में हिंदी पखवाड़ा समारोह में विद्यार्थियों ने बढ़–चढ़कर भाग लिया।

सप्ताह के दूसरे दिन 13 सितंबर 2023 को कार्यालयी हिंदी दक्षता प्रश्नोत्तरी प्रशासनिक विभाग के लिए सेमिनार कक्ष में आयोजन किया गया हैं, जिसका समय दोपहर एक से दो बजे का तय है। सप्ताह के तीसरे दिन 14 सितंबर 2023 को विधार्थियो के लिए आशु भाषण प्रतियोगिता का सेमिनार कक्ष में दोपहर एक से दो बजे के बीच रखी गई। सप्ताह के चौथे दिन 15 सितंबर 2023 को प्रवक्ताओं के लिए रचनात्मक लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसका समय सुबह 11 से 12 बजे एवं स्थान एक्स्टेंडेड स्टाफ रूम रखा गया। हिंदी सप्ताह के आखिरी दिन 16 सितंबर को विशेषज्ञ वक्ता डॉ. विजय कुमार मल्होत्रा को आमंत्रित किया गया, जो भाषाविद् एवं राजभाषा रेल मंत्रालय, भारत सरकार मे पूर्व निदेशक रह चुके हैं।

कार्यक्रम में राजभाषा, राष्ट्रभाषा एवं भारतीयता विषय पर चर्चा होगी, जिसका समय दोपहर 3 से 4 बजे एवं सेमिनार कक्ष रखा गया। हिंदी सप्ताह कार्यक्रम की आयोजक प्रो. श्रुति आनंद, विभाग प्रभारी प्रो. अर्चना गौड़ एवं प्राचार्य प्रो. राकेश कुमार गुप्ता हैं। प्रत्येक वर्ष की तरह इस बार भी हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में हो रहा हिंदी सप्ताह विभिन्न सफलताएं प्राप्त करेगा। साथ ही. हिंदी दिवस के मूल सिद्धांत को प्रतिपादित करने में भी सफल होगा। इसलिए बड़ी संख्या में विद्यार्थी इसमें सहभागिता करें।

रामलाल आनंद महाविद्यालय में चंद्रयान लैंडिंग का सजीव प्रसारण

विकास

नई दिल्ली । भारत ने नया इतिहास रच दिया। 23 अगस्त 2023 को शाम करीब छह बजे चांद के साउथ पोल पर चंद्रयान–3 सॉफ्ट लैंड कर गया। भारत–दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचने वाला पहला देश बन गया। वहीं सोवियत संघ, अमेरिका, चीन के बाद भारत दुनिया का चांद पर लैंड करने वाला चौथा देश बन गया है। घड़ी की सुई जैसे ही साढ़े पांच पर गई हर किसी की आंख सॉफ्ट लैंडिंग पर टिक गई। इसी के उपलक्ष्य में दिल्ली विश्वविद्यालय के रामलाल आनंद महाविद्यालय के सेमिनार हाल में चंद्रयान–3 के सॉफ्ट लैंडिंग को लाइव प्रसारित किया गया। प्रसारण के समय सेमिनार रूम में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. राकेश कुमार गुप्ता, उप प्राचार्य प्रो. सुभाष चन्द्र डबास, आइक्यूएसी कोऑर्डिनेटर प्रो. प्रेरणा दीवान और दिल्ली विश्वविद्यालय के एनसीसी प्रमुख प्रो. संजय कुमार शर्मा सहित बड़ी संख्या में शिक्षक, कर्मचारी एवं विद्यार्थी मौजूद थे। सेमिनार हॉल में मौजूद सभी इस क्षण के गवाह बनने को आतुर थे। फिर वह क्षण भी आया जब लैंडर विक्रम ने सॉफ्ट लैंडिंग पूरी की। उस समय सभी की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। सभी अपने को गौरवान्वित महसूस कर रहे थे। तालियों की गड़गड़ाहट से पूरा हॉल गूंज उठा। चंद्रयान लैन्डिंग की खुशी सिर्फ आरएलए ही नहीं बल्कि पूरे भारत में देखने को मिला। पूरे भारतवासी एकटक नजारे गड़ाए बैठे थे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देशवासियों को बधाई देते हुए कहा कि जब हम ऐतिहासिक क्षण देखते हैं तो हमें बहुत गर्व होता है। यह नए भारत का सूर्योदय है। हमने धरती पर संकल्प किया और चांद पर उसे साकार किया। भारत अब चंद्रमा पर है। उन्होंने कहा, कभी कहा जाता था चंदा मामा बहुत दूर के हैं। एक दिन वह भी आएगा जब बच्चे कहा करेंगे चंदा मामा बस एक टूर के हैं। इसरो प्रमुख ने भी खुशी जाहिर करते हुए इसे देश के लिए बड़ी सफलता बताया। प्रसारण के बाद प्राचार्य सहित सभी शिक्षकों ने एक दूसरे को बधाई दी।

संरक्षक मंडल

प्राचार्य

प्रो. राकेश कुमार गुप्ता

विभाग संयोजक

प्रो. राकेश कुमार

परामर्शदाता

डॉ. अटल तिवारी

संपादक

प्रभाकर मल्ल

संपादकीय सहयोग

कामाक्षी मेहरा

लक्ष्मी